# राज्यपाल सचिवालय, बिहार
**(जन–सम्पर्क शाखा)**
राजभवन, पटना–800022

## प्रेस–विज्ञप्ति

***संख्या–114/2024***

## बिहार में मखाना के प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की समुचित व्यवस्था हो– राज्यपाल

**पटना, 08 जून, 2024** :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर अंतर्गत भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय, पूर्णियाँ में ''मखाना – जलकृषि के साथ जल जमाव पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग : चुनौतियाँ एवं रणनीतियाँ'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राजभवन, पटना से वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मखाना उत्पादन के क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधान का लाभ कृषकों को मिलना चाहिए ताकि उत्पादकता में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि विश्व में मखाना का 90% उत्पादन बिहार में होता है। भारत ही नहीं, पूरे विश्व में बिहार के मखाना की मांग है। इस क्षेत्र में असीम संभावनाएँ हैं जिससे कृषकों को अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने बिहार के मखाना को जी०आई० टैग मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इसके प्रचार–प्रसार के साथ इसके पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की व्यवस्था हेतु सटीक योजना होनी चाहिए। बिहार में मखाना के प्रसंस्करण इकाई की स्थापना हेतु भी सरकार को प्रयत्न करना चाहिए। इससे किसानों की आय बढ़ेगी तथा बिहार की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। राज्यपाल ने जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में मखाना की उत्पादकता को बढ़ाने हेतु जरूरी उपाय करने को कहा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय, पूर्णियाँ में नवनिर्मित सभागार का वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिये उद्घाटन किया। उन्होंने संगोष्ठी स्मारिका तथा मखाना से संबंधित पुस्तक का विमोचन करने के अतिरिक्त बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर एवं भारतीय पैकेजिंग, मुम्बई द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन एवं विकसित किये गये मिथिला मखाना बॉक्स एवं पाउच की लांचिंग भी किया।

कार्यक्रम को माननीय कृषि मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने भी वर्चुअल मोड में संबोधित किया।

.....